NIc

भवन निर्माण कार्यक्रम : एक दृष्टि
सर्व शिक्षा अभियान

किसी भी विद्या के मन्दिर में विद्यार्जन करने के लिए आगत बालकों के नामांकन ठहराव एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षण के लिए विद्यालय परिसर में मूलभूत भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता अत्यन्त आवश्यक है। इस उद्देश्य एवं लक्ष्य के साथ सर्व शिक्षा अभियान योजनान्तर्गत नवीन विद्यालयों का निर्माण, अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण, प्रधानाध्यापक कक्ष, शौचालय, पेयजल सुविधा, बिजली सुविधा एवं निशक्त जन के लिए रैम्प इत्यादि के लिए निर्माण के लिए प्रावाधान रखा गया है।

शिक्षा के प्रति जागरूगता एवं बालकों के विद्यालय के प्रति जुडाव के लिए यह आवश्यक है कि भवन मात्र पत्थर और सीमेन्ट का ढ़ाचा ही नहीं रहे अपितु भवन शिक्षा अर्जित करने का एक आवश्यक माध्यम बनें।

बालकों को आन्नददायी शिक्षण हेतु विद्यालय भवन को आकर्षक बनाने में विभिन्न प्रकार के बाल केन्द्रित घटको का समावेश किया जाकर विद्यालय को जीवन्त बनाने के भी प्रयास सर्व शिक्षा अभियान द्वारा किया जा रहा है।

विद्यालय में होने वाले निर्माण कार्यो का भौतिक क्रियान्वन सम्बन्धित विद्यालय की विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति के द्वारा किया जाता है। इस समिति में विद्यालय के प्रधानाध्यापक पदेन अध्यक्ष एवं एक अध्यापक पदेन सचिव होता है तथा इस समिति में अभिभावक, जनप्रतिनिधि एवं अध्ययनरत बालकों का भी समुचित प्रतिनिधित्व होता है। यह समिति समस्त भौतिक कार्य का निष्पादन करते हुए रिकार्ड संधारण करती है तथा कार्यो का तकनीकी पर्यवेक्षण परियोजना के तकनीकी अधिकारियों का होता है।

उदयपुर जिलें में वर्ष 2003–04 से मार्च 2007 तक इस योजनान्तर्गत विभिन्न विद्यालयों में अब तक कराए गये कार्यो का विवरण निम्नानुसार है –

क्र.स.	कार्य का प्रकार	निर्मित भवन
1	खण्ड सदर्भ केन्द्र भवन	11
2	संकुल सन्दर्भ केन्द्र भवन	112
3	प्रा.वि. भवन	134
4	उ.प्रा.वि. भवन	157
5	भवन रहित प्रा.वि.	146
6	भवन रहित उ.प्रा.वि.	13
7	अतिरिक्त कक्षा कक्ष	1929
8	प्रधानाध्यापक कक्ष	163
9	शौचालय	1349
10	पेयजल सुविधा	763
11	विद्युतिकरण	22

वर्ष 2007–08 की प्रस्तावित कार्य योजना अनुसार इस वर्ष उदयपुर जिलें में 600 अतिरिक्त कक्षा–कक्ष, 38 संकुल संदर्भ केन्द्र भवन, 7 पेयजल सुविधा, 21 विद्युतीकरण, 67 मेजर रिपेयर एवं 10 प्रोटोटाईप विद्यालय के निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

एन.पी.ई.जी.ई.एल.

बालिका शिक्षण को बढ़ावा देने एवं ग्राम्यास्थल की बालिकाओं को गुणवत्तायुक्त शिक्षण प्रदान करने एंव आगे बढ़ने के समुचित अवसर उपलब्ध करने के लिए बालिका शिक्षण केन्द्रित विशेष कक्षा–कक्ष जिसमें कि शिक्षण के साथ–साथ बालिकाओं के व्यवसायिक कौशल का विकास हो सके का निर्माण सर्व शिक्षा अभियान की भवन निर्माण शाखा द्वारा कराया जा रहा है।

वर्ष 2003–04 से 2006–07 तक विभिन्न विकास खण्डों में 39 ऐसे कक्षा कक्षों का निर्माण कराया गया है तथा वित्तिय वर्ष 2007–08 में ऐसे 304 कक्षा कक्षों के निर्माण का लक्ष्य है।

कस्तूरबॉ गॉधी आवासीय विद्यालय :–

बालिका शिक्षा के उन्नयन के लिए सर्व शिक्षा अभियान अन्तर्गत उदयपुर जिलें के 10 विकास खण्डों में कस्तूरबॉ गॉधी आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इन 10 के.जी.बी.वी. में से 7 के.जी.बी.वी. मॉडल प्रथम के जिसमें 100 बालिकाओं के आवास सुविधा सहित उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षण सुविधा हो तथा 3 के.जी.बी.वी. मॉडल , तृतीय के जिनमें वर्तमान में 50 बालिकाओं के आवास की सुविधा हो बनाए जाने प्रस्तावित है। जिलें में प्रथम चरण में 2 मॉडल प्रथम के एवं 1 मॉडल तृतीय का आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण होकर शैक्षणिक सत्र 2007–08 में उपयोग हेतु उपलब्ध हो जायेगा। द्वितीय चरण में 5 मॉडल प्रथम के एवं 2 मॉडल तृतीय के आवासीय विद्यालयों की स्वीकृति जारी की जा चुकी है तथा इन का निर्माण कार्य भी वर्ष 2007–08 में पूर्ण करा लिया जायेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी प्राशि
एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक
सर्व शिक्षा अभियान, उदयपुर